>

Title: Need to take steps to check the soil erosion caused by river Ganges in Chandauli district of Uttar Pradesh.

श्री रामकिशुन (चन्दौली): माननीय सभापति जी, मैं एक लोक महत्व के विषय को आपके माध्यम से सरकार के संज्ञान में लाना चाहता हूं। गंगा नदी राष्ट्र नदी घोषित की गई है। गंगा नदी के कारण जनपद चंदौली, उत्तर प्रदेश में बड़ी तेजी से कटान हो रहा है। गंगा नदी पर जनपद चंदौली में गुरैनी लिफ्ट कैनाल, नगवा पम्प कैनाल, कुंडा पम्प कैनाल ऐसे तीन-चार पम्प कैनाल लगे हैं। लेकिन कटान के चलते इन पम्प कैनालों का अस्तित्व ही समाप्त होने जा रहा है। गंगा नदी इतनी तेजी से उन कटानों को काट रही है कि पम्प कैनाल गंगा नदी में समाहित हो रहे हैं। इतना ही नहीं बल्कि गुरैनी पम्प कैनाल के आसपास के दर्जनों गांव कटान की चपेट में आने के कारण अब तक वहां की हजारों एकड़ जमीन गंगा में समाहित हो चुकी है। इसके साथ ही दीयां, सहेपुर, हिंगुतर, नौघरा, नरौली और बूढ़ेपुर जैसे दर्जनों गांवों का अस्तित्व भी समाप्त हो रहा है। गुरैनी पम्प कैनाल जो कटान से प्रभावित हो रहा है, उस पम्प कैनाल से दो दर्जन गांवों को सिंचाई के लिए पानी मिलता है और अगर ये पम्प कैनाल कटान के चलते गंगा नदी में समाहित हो गया तो हजारों एकड़ जमीन भी सिंचाई से वंचित हो जायेगी और राष्ट्रीय कृषि उत्पादन भी प्रभावित होगा।

मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि गंगा नदी के कटान को रोकने के लिए भारत सरकार उत्तर प्रदेश सरकार से एक सर्वे करवा ले। हमने सासंद निधि से पांच लाख रुपये देकर गुरैनी पम्प कैनाल को अभी तात्कालिक रूप से चालू करा दिया है। लेकिन यह गंगा कटान पांच लाख रुपये से नहीं बल्कि कम से कम दस करोड़ रुपये से कंट्रोल में आयेगा।

सभापति महोदय : केन्द्र सरकार से जो आपकी मांग है, वह बताइये।

श्री रामकिशुन (चन्दौली): हमारी मांग यह है कि मैंने इस सवाल को लोक सभा में कई बार उठाया है और भारत सरकार ने आश्वासन भी दिया है कि हम राज्य सरकार से सम्पर्क करके इस कटान को रोकने का काम करेंगे। लेकिन अभी तक इस कटान को रोका नहीं जा रहा है। जिसके कारण जनपद चंदौली के दर्जनों गांव प्रभावित हो रहे हैं, उनका जनजीवन प्रभावित हो रहा है। इसके कारण वहां के किसान शीघ्र ही भुखमरी के कगार पर पहुंच जायेंगे और इन पम्प कैनालों का अस्तित्व भी समाप्त हो जायेगा। मैं इसलिए कह रहा हूं कि यह लोक महत्व का प्रश्न है। यह किसानों से जुड़ा हुआ प्रश्न है। एक तरफ किसानों की जमीनें ली जा रही हैं, उन पर अन्याय हो रहा है। खेती की जमीन संकुचित हो रही है और जो कुछ बची-खुची जमीन है, वह सिंचाई के अभाव में, पम्प कैनाल के अभाव में बर्बाद हो जायेगी।

सभापति महोदय : आपकी भावना व्यक्त हो गई है। अब आप समाप्त कीजिए।

श्री रामकिशुन : इसलिए भारत सरकार से हमारी मांग है कि तत्काल इस पर राज्य सरकार को निर्देश जारी करे और इसके लिए धन उपलब्ध कराने का काम करे, ताकि वहां गंगा कटान को रोका जा सके और जनपद चंदौली के कटान पीड़ितों का पुनर्वास भी सुनिश्चित किया जा सके। यही कहकर मैं अपनी बात समाप्त करता हूं।

सभापति महोदय : अब आपकी बात रिकार्ड में नहीं जायेगी। श्री जगदानंद जी आप बोलिये।